धोखाधड़ी, जालसाजी और धमकी के कई मामलों में वांछित, तीन मोर्चों से इनाम की घोषणा

कुख्यात 'चिटलर' अमित खम्परिया की गिरफ्तारी पर अब 1.40 लाख का इनाम

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर का बदनाम ठग और खुद को बचाने में माहिर 'चिटलर' अमित खम्परिया अब पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। लंबे समय से फरार इस आरोपी की गिरफ्तारी पर अब कुल 1,40 हजार का इनाम घोषित किया गया है। यह इनाम जबलपुर जोन, बालाघाट जोन पुलिस और पीड़ित पक्ष तीनों तरफ से अलग-अलग घोषित किया गया है।

अपराधों की लंबी लिस्ट

दुर्गा कॉलोनी, संजीवनी नगर निवासी 'चिटलर' अमित खम्परिया पर थाना संजीवनी नगर के अपराध क्रमांक 134/2022 (धारा 420, 406, 386 भादवि) और 141/2022 (धारा 294, 323, 506 भादवि, एससी-एसटी एक्ट) सहित थाना मदनमहल के अपराध क्रमांक 86/2022 (धारा 420, 406, 467, 468, 471, 474, 112, 120बी, 109, 204 भादवि) में संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कई ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन यह 'चिटलर' हर बार बच निकलता है।

सूचना दें, नाम रहेगा गुप्त

अब इस कुख्यात 'चिटलर' की गिरफ्तारी पर मिलने वाला इनाम 1.40 लाख हो गया है। पुलिस ने जनता और अपने अमले से अपील की है कि आरोपी की कोई भी पुख्ता जानकारी थाना मदन महल, थाना संजीवनी नगर के साथ पुलिस कंट्रोल रूम में तुरंत साझा करें, सूचनाकर्ता का नाम और पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इनाम में बड़ी बढ़ोतरी

शुरुआत में डीआईजी जबलपुर रेंज ने दोनों प्रकरणों में 15-15 हजार के इनाम की घोषणा की थी। लेकिन पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय की अनुशंसा पर आईजी जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा ने इसे बढ़ाकर 30-30 हजार कर दिया। इसके अलावा आईजी बालाघाट जोन ने भी 30 हजार का इनाम घोषित किया है। वहीं, पीड़ित पक्ष ने अपनी जेब से 50 हजार देने की घोषणा की है।

राजकुमारी बाई बाल निकेतन पहुंचे पुलिस कप्तान, दिया सुरक्षा का वादा

राखी के धागों में बंधा भरोसा

हरिभूमि, जबलपुर।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जबलपुर पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर समाज से जुड़ने की एक भावनात्मक पहल की। शनिवार को वह थाना मदन महल स्थित श्री राजकुमारी बाई बाल निकेतन पहुंचे, जहां बहनों ने उन्हें राखी बांधकर अपना स्नेह व्यक्त किया। उनके साथ एएसपी सिटी आनंद कलादगी भी मौजूद रहे। राखी बांधते समय बहनों के चेहरों पर उत्साह और खुशी झलक रही थी। पुलिस अधिकारियों ने भी इस पावन क्षण को पूरी आत्मीयता से महसूस करते हुए बहनों को मिठाई खिलाई और उनके सुख-समृद्धि की कामना की।

पुलिस और समाज के बीच रिश्तों की डोर मजबूत

कार्यक्रम में सीएसपी कोतवाली रीतेश कुमार शिव, टीआई मदन महल संगीता सिंह, और बाल निकेतन की सदस्य बहनें मौजूद रहीं। इस अवसर ने न केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की महत्ता को दर्शाया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि वर्दी के पीछे एक संवेदनशील दिल धड़कता है, जो समाज के हर वर्ग के साथ जुड़ाव महसूस करता है।

स्नेह और सुरक्षा का वादा

कप्तान उपाध्याय ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व हमें एक-दूसरे की रक्षा और सम्मान का संकल्प दिलाता है। उन्होंने बहनों को भरोसा दिलाया कि पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा में तत्पर रहेगी।

सरोवरों में लगेंगे कजलियों के मेले

कजलियों का पर्व आज

जबलपुर। प्रेम और भाईचारे के साथ-साथ प्रकृति के अनुपम उपहार फसलों से जुड़ा पर्व कजलियां आज हर्षोल्लास के साथ परम्परागत तरीके से मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख सरोवर हनुमानताल, देवताल, सूपाताल, गोकलपुर तालाब, सदर खम्बताल में कजलियों के मेले लगेंगे। बुंदेलखण्ड और महाकौशल अंचल में यह पर्व बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में कजलियों के महापर्व का महत्व अलग ही है। ज्यादातर खेती ग्रामीण अंचलों में ही होती है और कजलियों को खरीफ की फसलों की अच्छी पैदावार से जोड़कर देखा जाता है। सावन की पूरी हरियाली, भादों मास के पहले दिन पड़ने वाले इस त्यौहार में देखी जाती है। गांवों में पारम्परिक गीत गाये जाते हैं और जलाशयों के किनारे कजलियों को खोंसकर उनका पूजन अर्चन किया जाता है। कजलियों को भगवान को अर्पित किया जाता है। इसके बाद एक-दूसरे से कजलियां मिलकर गिले शिकवे भुलाये जाते हैं और खुशियां मनाई जाती हैं।

बुंदेलखंड और महाकौशल अंचल में कजलियों के पर्व का विशेष महत्व है, इसे एक तरफ आपसी सामंजस्य और भाईचारे का पर्व माना जाता है वहीं इसे खरीफ की फसलों की बेहतरी से भी जोड़कर देखा जाता है। सावन के महिने में दोनों में घर में पवित्र स्थानों पर कजलियां बोई जाती है। ऐसी मान्यता है कि सावन पक्ष की पूर्णमासी होने के बाद जब कजलियों को खोटा जाता है तो उसकी हरियाली, लंबाई, अंकुरण देखकर आने

वाली खरीफ की फसलों का अंदाजा भी लगाया जाता है। कजलियों में अच्छा अंकुरण और अच्छी हरियाली आने पर किसान एक दूसरे का कजलियां भेंटकर बधाइयां और शुभकामना देते हैं। इसलिए ग्रामीण क्षेत्र में इस त्यौहार का अच्छा खासा महत्व है, वहीं शहरों में कजलियों को एक दूसरे को भेंटकर बड़ छोटों को आर्शीवाद देते हैं और छोटे उनसे उपहार भी लेते हैं, आज के दिन नाते-रिश्तेदार और आस-पड़ोस के लोग उन घरों में जरुर जाते हैं, जिन घरों में गमी के कारण दुख का पहला त्यौहार होता है। जबलपुर में आज कजलियों का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा।

खर्च के लिये रूपये नहीं देने पर डंडे से की मारपीट

जबलपुर। बरेला थाना अंतर्गत ग्राम खमरिया में एक पढाई करने वाले युवक से गांव के युवक ने खर्च के लिये 1 हजार रुपये की मांग की। मना करने पर गाली गलौच कर मारपीट कर दी। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खमरिया निवासी 18 वर्षीय हर्ष यादव से गांव के राहुल गोंटिया ने खर्च के लिये 1 हजार रुपये मांगे। उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलौज करने लगा, घर के अंदर घुसकर डंडे से हमलाकर घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 115(2), 351(2), 333 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

भीड़ भरे बाजारों में रही सुरक्षा और शांति

शहर में दिखा पुलिस चौकसी का असर

हरिभूमि जबलपुर।

रक्षाबंधन और कजलियां जैसे महापर्वों की पूर्व संध्या पर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जबरदस्त भीड़ के बावजूद इस बार जबलपुर में सुरक्षा के मोर्चे पर पुलिस की रणनीति पूरी तरह सफल रही। गुरुवार शाम से लेकर शनिवार रात तक शहर के बाजारों में कोई लूट या अपराधिक घटना की खबर नहीं मिली। भीड़ और त्योहार के जोश के बीच कानून-व्यवस्था की सख्त निगरानी देखने को मिली। हालांकी ट्रैफिक व्यवस्था के मामले में जबलपुर पुलिस का रिकार्ड हमेशा की तरह इस बार भी खराब रहा। ट्रैफिक प्रबंधन के प्लान जमीन पर नहीं उतरे और मध्य शहर का यातायात रेंगता हुआ नजर आया।

एसपी संपत उपाध्याय के निर्देशन में रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर शहर की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। तीन प्रमुख ट्रैफिक थानों और 39 थाना प्रभारियों को विशेष ड्यूटी पर लगाया गया। पुलिस फोर्स ने चिन्हित बाजार क्षेत्रों को मालवाहक वाहनों, निजी कारों और ई-रिक्शा के लिए बंद कर दिया।

केवल बुजुर्ग, बीमार और असहाय व्यक्तियों को ही ई-रिक्शा के जरिए प्रवेश की अनुमति मिली। सीसीटीवी कैमरों से गोपनीय तरीके से निगरानी की गई और कंट्रोल रूम से उनकी लाइव मॉनिटरिंग होती रही। बाजारों में सिविल ड्रेस में भी पुलिस बल तैनात रहा।

70 फीसद महिलाएं रहीं बाजार में

लार्डगंज, गंजीपुरा, बड़ाफुहारा, गोरखपुर, आधारताल, माढ़ोताल, गढ़ा, रांझी और सदर जैसे इलाकों में रक्षाबंधन की खरीददारी के लिए भारी भीड़ उमड़ी। भीड़ का लगभग 70 फीसद हिस्सा महिलाओं का था, जिसे देखते हुए महिला पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई थी।

अधिकारियों ने खुद किया बाजार का निरीक्षण

सीएसपी, एएसपी और थाना प्रभारियों ने शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक लगातार बाजार क्षेत्रों में गश्त की। ग्रामीण बाजारों को भी शहर के बाजारों जितनी ही प्राथमिकता दी गई और वहां भी चौकसी बढ़ाई गई। इस बार पुलिस ने अपराध होने के इंतजार में समय गंवाने की बजाय पहले से सक्रिय रहकर संभावित अपराधों को रोका। त्योहार के चलते बाजारों में जितनी भीड़ थी, उतनी ही मुस्तैदी भी दिखी। यही वजह रही कि रक्षाबंधन की पूर्व संध्या शांति से बीती।

कजलियां, जन्माष्टमी तक जारी रहेगी मुस्तैदी

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह चौकसी केवल रक्षाबंधन तक सीमित नहीं रहेगी। कजलियां और जन्माष्टमी के बाजारों में भी पुलिस की पैनी नजर बनी रहेगी। पुलिस महकमा इसे दीर्घकालीन व्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक प्रयोग मान रहा है।

बोलेरो से मशीनों पर किया हाथ साफ

जबलपुर। गोहलपुर थानांतर्गत एक बोलेरो वाहन की सीट पर रखी करीब 10 हजार रुपए की मशीनों पर किसी चोर ने हाथ साफ कर दिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में रिलायंस कंपनी के असिस्टेंट स्पलायसर नेता कॉलोनी अधारताल निवासी 42 वर्षीय सतीश काछी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। सतीश ने पुलिसव को बताया कि 29 जुलाई की रात करीब 12 बजकर 10 मिनट से सुबह साढ़े 6 बजे के बीच गोहलपुर चौराहे पर अंडर ग्राउंड फाइबर केबिल का सुधार कार्य चल रहा था। रिलायंस की लाईन फाईबर कट होने के कारण सुधार कार्य हेतु स्पलाईसर नवीन विश्वकर्मा, सीआई हरवंश सिंह एवं 2 हेल्पर अण्डर ग्राउण्ड कार्य कर रहे थे। इसी दौरान बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 19 जेड जी 2304 की बीच वाली सीट में रखी करीब 10 हजार रुपए की 3 मशीनें पर किसी चोर ने हाथ साफ कर दिया। रिपोर्ट पर धारा 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

महिला ने फांसी लगाई

जबलपुर। गोराबाजार थानांतर्गत एक 40 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मृतका के पुत्र सामुदायिक भवन के पास तिलहरी निवासी 22 वर्षीय आशीष ठाकुर ने दी। आशीष ने पुलिस को बताया कि 31 जुलाई की रात करीब 10 बजे वह खाना खाकर सो गया था। रात लगभग 2 बजे उठकर देखा तो उसकी माँ घर के सीलिंग फेन से चुन्नी का फंदा बनाकर फांसी पर लटकी हुई थीं। आशीष ने जल्दी से चाकू से फंदा काटकर फंदा खोलकर अपनी माँ को पलंग में लिटा दिया लेकिन तब तक उसकी मां 40 वर्षीय श्रीमती रानी ठाकुर की साँसे थम चुकी थीं। आशीष ने बताया कि उसकी मां रानी ठाकुर शराब पीने की आदि थीं, ऐसा प्रतीत होता है कि शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया गया।

रक्षाबंधन पर महापौर अन्नू का तोहफ़ा: महिलाओं को मिली मुफ्त मेट्रो सेवा

रक्षाबंधन पर महापौर की अनूठी सौगात

जबलपुर। मैं आप सभी माताओं, बहनों को प्रणाम करता हूँ, आपका भाई आपके साथ है। यह कहते हुए आज मुख्य रेलवे स्टेशन पर उपस्थित माताओं, बहनों के साथ महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू' ने निगम अध्यक्ष रिंकू विज,एम आई सी सदस्यों और पार्षद दल के साथ मुख्य रेलवे स्टेशन से मदन महल तक यात्रा की। इस अवसर पर महापौर अन्नू, निगम अध्यक्ष रिंकू विज और उपस्थित एम. आई. सी. सदस्यों और पार्षदों ने माताओं, बहनों से राखी बंधवा कर उनका आशीर्वाद लिया। विदित हो कि रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने एक दिन पूर्व भी घोषणा कर दी थी कि रक्षाबंधन के इस महान पर्व पर सभी माताओं,

महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने निभाया भाई का फर्ज़, बहनों को दी मुफ्त यात्रा की सौगात

बहनों के लिए मेट्रो बस निःशुल्क चलेगी और किसी भी माताओं, बहनों को किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं होने दी जाएगी। सभी के साथ यात्रा करते हुए फिर से एक बार महापौर अन्नू ने कहा कि आपकी हर सुख दुख में हम सदैव आपके साथ रहेंगे आप सभी माताएं बहने हम सब पर अपना आशीर्वाद ऐसे ही बनाए रखना। इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेकराम सोनकर,दामोदर सोनी, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, पार्षदगण, माताएं, बहने आदि उपस्थित रहे।

2 सटोरिये गिरफ्तार

जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत एकता चौक के पास सट्टा पट्टी लिख रहे दो सटोरियों को क्राईम ब्रांच की टीम ने धर दबोचा। सटोरियों के पाससे 7 हजार 120 रूपये जप्त किये गये है। गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्बिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच और गढ़ा पुलिस की टीम ने एकता चौक के पास सट्टा पट्टी लिख दीपक विश्वकर्मा और विमल सिंह को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से सटटा पट्टी और नगद रकम जप्त की गई। आरोपियों के खिलाफ उम्र 50 व्श निवासी दुर्गा नगर एकता चैक गढा बताया जिसके कब्जे से 4 नग सट्टा पट्टी, नगदी 2 हजार 550 रूपये जप्त किये गये। आरोपियों के विरूद्ध धारा 4(क), सट्टा एक्ट तथा 49 बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई।

हिस्ट्रीशीटर रज्जाक के 40 हजार के इनामी गुर्गे शेखू ने रिमांड में किया बड़ा खुलासा

फरार आरोपियों व नेटवर्क में मिली बढ़त, घर से पिस्टल बरामद

हरिभूमि, जबलपुर।

कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक गैंग के 40 हजार रुपये के इनामी गुर्गे शेखू उर्फ अब्दुल सईद की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। ओमती पुलिस ने रिमांड अवधि में उसके घर की तलाशी ली, जहां से एक पिस्टल बरामद की गई। रिमांड पूरी होने के बाद शेखू को आज न्यायालय में पेश किया जाएगा।

हरिभूमि फॉलोअप

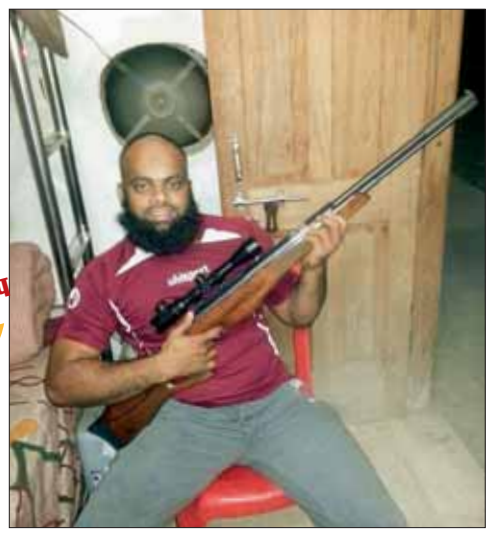

आठ गंभीर प्रकरणों में चल रहा था फरार

44 वर्षीय शेखू, निवासी नया मोहल्ला ओमती के खिलाफ बलवा, हत्या प्रयास, धमकी, जातिगत अपमान और संपत्ति कब्जा जैसे आठ गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार था और शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर उस समय पकड़ा गया, जब वह घर में मूवी देख रहा था।

नेटवर्क और कारोबार पर बड़ी जानकारी

रिमांड पूछताछ में शेखू ने फरार चल रहे गैंग के अन्य सदस्यों के ठिकानों, उनके कारोबार और उन्हें मदद पहुंचाने वालों के बारे में अहम जानकारियां दी हैं। पुलिस का मानना है कि इन खुलासों के आधार पर गैंग के बाकी सदस्यों तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

गैंग पर लगातार कार्यवाही जारी

पिछले एक महीने में पुलिस ने रज्जाक गैंग के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया है। 10 जुलाई को सरफराज, मोह. महमूद (रज्जाक का भाई), अजहर (भतीजा) और मोह. सज्जाद को लग्जरी कार और हथियारों के साथ पकड़ा गया था। इसके अलावा 18 हजार का इनामी दिलीप चौधरी, 15 हजार का रविंद्र पटेल, 25 हजार का शाहिद अली उर्फ वालिया और 10 हजार का मोह. जमील भी सलाखों के पीछे भेजे गए हैं।

छात्रावास में मनाया रक्षाबंधन

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर मनदीप शर्मा ने रक्षाबंधन का पर्व वेटरनरी कॉलेज स्थित कन्या छात्रावास में पहुंचकर मनाया। वहां उपस्थित छात्राओं ने कुलपति की कलाई पर प्रफुल्लित हो रक्षा सूत्र बांधा तथा मंगल कामनाएं की। इस अवसर पर प्रभारी अधिष्ठाता डॉ राखी वैश्य, हॉस्टल वार्डन डॉ निधि गुप्ता तथा सहायक कुल सचिव डॉ रामकिंकर मिश्र उपस्थित रहे।

उत्साह और उमंग से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

बहनों ने सजाई रक्षासूत्र से भाईयों की कलाई

जबलपुर। भाई-बहन के पवित्र स्नेह और अटूट रिश्ते का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन उत्साह और उमंग के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या से ही त्यौहार की रौनक दिखाई देने लगी थी। बाजारों में चहल-पहल रही। त्यौहार में सब को अपने-अपने घर जाने या बहनों के घर जाने की जल्दी थी। यात्री बसों व ट्रेनों में यात्रियों का काफी दबाव रहा। रक्षाबंधन की सुबह से ही राखी की चहल पहल नजर आने लगी थी। नये-नये परिधानों में सजे धजे भाई बहन एक दूसरे के घरों के लिये निकल पड़े थे। वहीं राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के लोगों ने ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय, राजकुमारी बाई अनाथालय, वृद्धाश्रम और सेंट्रल जेल में जाकर समाज से उपेक्षित लोगों के बीच रक्षाबंधन पर्व की खुशियां बांटी। एक तरफ जहां खरीददारी के लिये मेवा मिष्ठानों और राखी रूमालों की दुकानों पर भीड़ रही, वहीं सेंट्रल जेल में निरुद्ध कैदियों के लिये दूर-दूर से आयी उनकी बहनें घंटों प्रतीक्षा के बाद कैदी भाईयों को रक्षा सूत्र बांध सकीं। इस बार जेल प्रबंधन ने ही राखी किट की व्यवस्था की थी, जो 50 रुपए में उपलब्ध थी। बाहर से लाई गई राखी और मिठाई प्रतिबंधित किया गया था। दरअसल राखी की आड़ में जेल में अन्य सामान पहुंचने के कारण यह व्यवस्था की गई थी। रक्षाबंधन पर्व को लेकर पौराणिक और राजकाज से जुड़ी सामाजिक मान्यताएं भी इतिहास में मिलती हैं। अनादिकाल से रक्षा पर्व मनाया जा रहा है। रक्षाबंधन पर्व पर बहनें अपने भाइयों की कलाईयों में रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घायु होने की कामना करती हैं। वहीं भाई बदले में बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। इसी परंपरा का निर्वाह करते हुए बहनों ने भाई के माथे पर मंगल तिलक लगाया। उनकी आरती उतारी और हाथ की कलाई में रक्षा सूत्र बांधा। सुबह से शुरू हुआ सिलसिला देर रात तक चलता रहा। राखी के त्यौहार पर भी महंगाई की मार रही, पर उत्साह और उमंग के बीच लोगों ने त्योहार की परंपरा का निर्वाह किया।

सेंट्रल जेल में लगा बहनों का मेला

नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय कारागार (सेंट्रल जेल) में निरुद्ध कैदियों को रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिये बहनों का मेला लगा रहा। जेल प्रशासन ने रक्षाबंधन पर्व पर विशेष व्यवस्था की थी। लेकिन डेढ़ हजार से अधिक बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी और उनसे अपराध से दूर रहने का वचन लिया। सेंट्रल जेल में सुबह से ही बहनों का मेला लगा था, जेल प्रशासन ने सुबह से समय निर्धारित किया था। जेल मैदान में व्यवस्थाएं की गईं थीं। बाहर से कोई भी खाद्य सामग्री लाने की मनाही थी, लिहाजा जेल कैंटीन में ही निर्मित मिठाई के साथ राखी किट उपलब्ध कराई गई थी। बहनों ने मेवा मिष्ठान खरीदा और भाई का मुंह मीठा कराया।

बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर लिया रक्षा का संकल्प

सिहोरा। भाई-बहन की अटूट प्रेम और स्नेह का महापर्व रक्षा बंधन शनिवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर सुख,शांति,समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की। मंगल टीका आरती के साथ ही मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। भाईयों ने भी बहनों को उपहार दिये। खासकर छोटी बच्चियों में उत्साह के कई रंग दिखे। दोपहर से देर शाम तक राखी बांधने और बंधवाने का दौर जारी रहा। परदेस से भाई अपने घर लौटते रहे और राखी बंधवाते रहे।

बाजारों में रही सुबह से शाम तक चहल-पहल रही

शनिवार को भी झण्डा बाजार सहित प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में खरीददारों की भीड़ बनी रही। सुबह के समय ही बाजार में बहने राखी खरीदने पहुंच गई थी। जिन बहनों ने पहले राखियां और कपड़े,मिठाइयां नहीं खरीदी थीं उन्होंने राखी के दिन बाजार में पहुंचकर पहले खरीदी की और फिर रक्षा बंधन मनाने के लिए रवाना हुई। रात 8 बजे तक भी बाजार में खासी भीड़ देखी गई।

दिनभर यात्री होते रहे परेशान

बहनों के घर जाने वालों की शनिवार को भी काफी भीड़ रही। हालत यह थे कि यात्री वाहनों में पैर रखने की जगह नहीं मिल रही थी। इस कारण लोगों को वाहनों का काफी इंतजार करना पड़ रहा था यही हालत ट्रेनों की भी थी लोग किसी तरह गाड़ियों में चढ़ने की मशक्कत कर रहे थे। कई लोगों को बसों और ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा।

यश नर्सरी स्कूल में अंतर सदन खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

जबलपुर। यश नर्सरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर में आयोजित अंतर सदन खेल प्रतियोगिता 2025 का समापन गुरुवार को उत्साह, उमंग और उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित इस वार्षिक खेल महोत्सव में विद्यार्थियों ने साहस, अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण खेल भावना से सराबोर रहा। प्रतियोगिता में नेटबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, रोप स्किपिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी और योग जैसी विधाओं में प्रतिभागियों ने दमदार प्रदर्शन किया। कई छात्रों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए भी हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कारधानी बैडमिंटन एसोसिएशन अध्यक्ष लोकनाथ तिवारी रहे। इस आयोजन की सफलता का श्रेय विद्यालय के प्रेरणास्त्रोत एवं मार्गदर्शक संस्था संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी को जाता है, जिनकी दूरदृष्टि और सतत प्रोत्साहन ने प्रतियोगिता को नई ऊँचाई प्रदान की। प्राचार्य सोनल तिवारी के नेतृत्व, प्रबंधन और उत्साहवर्धन ने पूरे आयोजन को सशक्त दिशा दी, वहीं संकाय समन्वयक अतुल श्रीवास्तव एवं श्रेया तिवारी ने योजना, समन्वय और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीएड प्रशिक्षणार्थियों को दी विदाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि शासकीय माध्यमिक शाला पश्चिमी करिया पाथर में बीएड प्रशिक्षणार्थियों को उनकी टीचिंग समाप्ति के पश्चात विदाई दी गई। संगठन ने बताया कि रेवा बीएड कॉलेज महाकौशल नगर आधारताल के छात्र- छात्राओं ने प्रशिक्षणार्थी के रूप में शाला में आकर पंद्रह दिनों तक अध्यापन कार्य किया, इस दौरान शिक्षकों से आदर्श टीचिंग सीखने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया। साथ ही बच्चों को पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ पढ़ाया, यही वजह रही की शालेय परिवार की ओर से सभी बीएड प्रशिक्षणार्थियों को भावभीनी विदाई के साथ ही शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर छाया जैन, रॉबर्ट मार्टिन, हरीशचन्द्र वर्मा, मोनिका सोनी, राम शंकर श्रृंगी, पद्मा मालवीय, अरुणा पांडेय, मंजुलता सोनी, अमिता केसरवानी, पूजा सोनकर, शबनम कुरैशी, दीपिका, अंजुलता सिंग, शीतल कुशवाहा, मोनिका आरती, राधिका, शशि, जीत, अंजली, सरोज खेमा, शंकरी रूचि आदि उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ जबलपुर के तत्वावधान में 09 अगस्त को राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह गोंडवाना चौक जबलपुर में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस सामाजिक संगठनों की विभिन्न अंचलों से रैलियों का गोंडवाना चौक पर आगमन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए आदिवासियों से एकजुट होने का आह्वान किया तथा सरकार से अनुरोध किया कि देश और मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति जनजातियों पर लगातार हो रहा है अत्याचार को रोकने का समुचित प्रयास किया जाए। कार्यक्रम में संरक्षक नन्हेलाल धुर्वे पूर्व विधायक, संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी, जिला अध्यक्ष नेम सिंह मरकाम, महासचिव उत्तम सिंह मरकाम, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अजय झारिया, एड. बालकिशन चौधरी, रविदास समाज संघ से राजेन्द्र चौधरी, मनोज मासाब, दिशा इनवाती, दिशा इनवाती, नोखेलाल बरकड़े, कोमल कोर्चे, आदि उपस्थित हुए।

रक्षा सूत्र बंधवाकर आदिवासी बहनों का आशीर्वाद लिया

जबलपुर। जगतगुरु सुखानंद द्वाराचार स्वामी राघव देवाचार्य महाराज के आशीर्वाद एवं सदप्रेरणा से प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अवधेश यादव भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने रक्षाबंधन पर्व ग्रामीण अंचल में निवासरत सर्व समाज एवं ओबीसी आदिवासी बहनों का आशीर्वाद लेते हुए अपने हाथों में रेशम की डोर कलाई में बंधवाकर उनके सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लिया। ग्रामीण अंचल ग्राम घाना पनागर विधानसभा क्षेत्र ग्राम पंचायत के सरपंच, वरिष्ठजन एवं लगभग 501 मातृशक्ति का सम्मान कर सभी मातृशक्ति को नए वस्त्र साड़ी, फलफूल, मिष्ठान समर्पित करते हुए आशीर्वाद लिया।

विशाल इनामी दंगल आज

बरेला। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी दुबे उस्ताद की परंपरा अनुसार कजलिया के पावन पर्व में नगर में खलीफा स्वर्गीय श्री दीना केवट जी की स्मृति में विशाल इनामी दंगल आज दिन रविवार को थाने के सामने आयोजित किया जा रहा है। आयोजक बजरंग व्यायाम शाला के सोनू सोनकर, अन्नू उपाध्याय, महेश चक्रवर्ती, रजनीश दुबे ने समस्त कुश्ती प्रेमियों पहलवानों एवं खलीफा से पहुंचने की अपील की।

15 को निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

सिहोरा। आशा जनसेवा समिति धनगंवा द्वारा स्व श्रीमती आशा असाटी की पुण्य स्मृति पर 15 अगस्त को विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर एवं रक्तदाताओ का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन मझौली के शासकीय अस्पताल में किया गया है। जिसका लाभ लेने की अपील समिति के अध्यक्ष विनय असाटी ने की है।

निधन

श्री चंद्रभान जगवानी- पंचशील नगर नर्मदा रोड निवासी श्री चंद्रभान जगवानी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा विश्वकर्मा- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री श्याम लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती आशा विश्वकर्मा (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सरला नायडू- मानव लोक सोसायटी शक्ति नगर निवासी श्री पीके नायडू की धर्मपत्नी श्रीमती सरला नायडू (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोविंद सिंह चौहान- छोटी ओमती निवासी श्री चैन सिंह चौहान के पुत्र श्री गोविंद सिंह चौहान (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री समर कुमार बैनर्जी- राजुल पेराडाइज बिलहरी निवासी श्री समर कुमार बैनर्जी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विपिन सिंह- प्रोफेसर कॉलोनी सुहागी निवासी श्री त्रिलोकी सिंह के पुत्र श्री विपिन सिंह (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री ब्रजेंद्र सिंह- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री ब्रजेंद्र सिंह का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वेद प्रकाश ठाकुर- रामपुर छापर टेंडर 1 निवासी श्री वेद प्रकाश ठाकुर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री आकाश सिंह ठाकुर- लालमाटी सिंगल क्वाटर निवासी श्री अशोक कुमार ठाकुर के पुत्र श्री आकाश सिंह ठाकुर (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा बाई दुबे- मप्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर निवासी श्री सुंदर लाल दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती आशा बाई दुबे (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री गोरखनाथ चौबे- डीडी कॉलोनी मानेगांव रांझी निवासी श्री गोरखनाथ चौबे (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विष्णु प्रसाद चौबे- नरघैया निवासी श्री विष्णु प्रसाद चौबे (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री प्रशांत मोहंती- संचार नगर दीनदयाल चौक के पास निवासी श्री प्रशांत मोहंती (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362100

समरसता सेवा संगठन का कजलिया मिलन समारोह आज

महिलाओं और बच्चों की होंगी बड़ी संख्या में भागीदारी

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन द्वारा इस तीसरे वर्ष में आपसी सद्भाव और समरसता के प्रतीक कजलियां महापर्व का आयोजन हनुमानताल में होगा जिसमें हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिलाओं की भागीदारी बड़ी संख्या में होंगी एवं पुरे उत्साह के साथ महिलाये एवं बच्चे कज़ालिया महोत्सव में शामिल होंगे यह बात समरसता सेवा संगठन के द्वारा आयोजित महिलाओ की बैठक में समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने होटल अग्रोहा में कही। श्री जैन ने बैठक में कहा कजलियां पर्व के मूल उद्देश्य को साकार करने का बीड़ा 'समरसता सेवा संगठन ने उठाया है। संगठन का तीसरा कजलियां महा महोत्सव का आयोजन इस बार भी आगामी 10 अगस्त को अपरान्ह 2 बजे से 6 बजे तक हनुमानताल में होने जा रहा है। अध्यक्ष श्री जैन ने कहा आयोजन में कजलियों की पारंपरिकता के साथ ही साहित्यिक और सांस्कृतिक छटा भी रहेगी । इस अवसर पर 'सनातन संस्कृति में समरसता के प्रतीक पर्व कजलियों का महत्व विषय पर तीन वर्गों , माधमिक , उच्चतर माध्यमिक और महाविद्यालयीन वर्गों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। इसके साथ ही 12 बर्ष तक के बच्चों के लिए विविध वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। महिलाओं की सहभागिता के लिए भी पूजा की थाली सजाओ और हस्त निर्मित राखी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। वहीं जायकेदार व्यंजनों का लुत्फ भी रहेगा। बैठक का संचालन सचिव उज्जवल पचौरी ने किया। बैठक में श्रीमती देवेश्वरी मोदी, किशोरी साक्षी दीदी, श्वेता सिंह, सारिका सेठ, सुधा तिवारी, दीपमाला सोनकर, श्वेता पचौरी, नीता जैन, रोशनी बबेले, रितु चौरसिया, प्रीति ताम्रकार, प्रीति गुप्ता, आभा जैन, दीपा खरया, सरिता गुप्ता, डॉ गीता पाण्डेय, कविता त्रिपाठी, मंजू तिवारी, डॉ समता तिवारी, आदि बड़ी संख्या में मातृ शक्ति ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की।

संस्कारधानी में घर-घर हुआ भव्य संकीर्तन

श्रावणमास अनुष्ठान का सोल्लास पूर्वक व धूमधाम से हुआ विश्राम

जबलपुर। चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम के द्वारा श्रावणमास आयोजित घर घर संकीर्तन अनुष्ठान का अंतिम दिवस विश्राम हुआ। मूर्ति महावीर ट्रस्ट के सौजन्य से श्रीराम हनुमान मंदिर शास्त्री ब्रिज में संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे के सानिध्य में घंटा शंख मृदंग की सुमधुर संकीर्तन धुन पर भक्तजन भाव विभोर होकर खूब थिरके।संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया 30 दिवसीय प्रातःसंकीर्तन माला का आयोजन पूर्ण आस्था श्रद्धा और मंगल आरती के साथ श्रावण महोत्सव संकीर्तन सोल्लास पूर्वक धूमधाम से संपन्न हुआ। संकीर्तन मंडल द्वारा नियमित समर्पित भक्तजनों का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया, साथ ही मूर्ति महावीर ट्रस्ट एवं मंडल द्वारा इस भक्तिमय कार्यक्रम को गरिमामय बनाने के लिए सूत्रधार देवेंद्र नेमा को माता की चुनरी उढ़ाकर सम्मानित कर सभी ने शुभकामनाएं बधाई दी। इस अवसर पर नीतू-सुधीर, रुचि जेठा, गीता शर्मा, सरिता नेमा, संजू-योगेश गुप्ता, कृष्णा नामदेव, मुकेश मालवीय, हरी जेठा, घनश्याम गुप्ता, सत्य प्रकाश नामदेव, प्रभाकर चतुर्वेदी, प्रवीण गुप्ता, अवधेश खरे, विशाल पंड्या, राजेंद्र कसेरा, रज्जू सोनी, अमित विश्नोई, पप्पू चौबे, मनोज विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

तय कर सही स्कीम में निवेश करने से मिलेगा फायदा | म्यूचुअल फंड और गोल्ड निवेश करके बड़ा फंड तैयार करें | अपनी पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें, विविधता रखें

प्लानिंग बनाकर करें निवेश, 10 साल में बन सकते हैं करोड़पति

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

जब भी बात करोड़पति बनने की आती है तो ऐसा लगता है कि यह बहुत मुश्किल है। काफी लोग एक लाख रुपये महीने की सैलरी होने के बावजूद एक करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा नहीं कर पाते हैं। हालांकि यह प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो यह कुछ मुमकिन है। आप सही प्लानिंग के जरिए निवेश करके मात्र 10 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं। अगर आपकी उम्र 35 साल है और आप अगले 10-12 सालों में 1 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहते हैं, तो ये जानकारी आपके लिए काफी अहम हो सकती है।

जानकारों के अनुसार म्यूचुअल फंड और गोल्ड आदि जगह निवेश करके बड़ा फंड तैयारी किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड का रिटर्न शेयर मार्केट के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। जानकारों के मुताबिक पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें। पोर्टफोलियो में विविधता होनी चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार करोड़पति बनने के लिए जल्द से जल्द निवेश शुरू कर देना चाहिए। अगर कोई शख्स 35 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है तो वह 10 से 12 साल में करोड़पति बन सकता है। हालांकि इस दौरान निवेश में रिस्क लेना भी जरूरी होगा। इसके लिए कुछ रिश्क लें और लंबी अवधि के निवेश का प्लान तैयार कर आगे बढ़ें। इससे आप आसानी से करोड़पति बना पाएंगे और अपने धन से भविष्य को सुरक्षित कर पाएंगे। एक्सपर्ट कहते हैं कि कम जोखिम वाले निवेश से बहुत ज्यादा रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उदाहरण के लिए, लार्जकैप स्कीम्स ने पिछले पांच सालों में 14.02% का रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आप कम जोखिम लेंगे, तो आपको रिटर्न भी थोड़ा कम मिलेगा।

कहां करें निवेश

आप अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर निवेश कर सकते हैं। जैसे कि 20% ग्रोथ वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% वैल्यू वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% कॉन्ट्रा फंड में, 20% ग्रोथ वाले मिडकैप फंड में और 20% ग्रोथ वाले स्मॉल कैप फंड में निवेश कर सकते हैं। इस तरह से निवेश करने से आप अलग-अलग मार्केट कैप और स्टाइल में निवेश कर पाएंगे। इससे आपके पैसे के डूबने का खतरा कम होगा और आपको अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

करोड़पति बनने के लिए कितना निवेश करें

अगर आप 10 साल में 12% सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) के साथ 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करना चाहते हैं, तो आपको हर महीने 45,000 रुपये एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करनी होगी। वहीं, 12 साल में करोड़पति बनना चाहते हैं तो यह निवेश 35,000 रुपये महीने का होगा। हालांकि 10 से 12 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू कम हो जाएगी। इसलिए एक्सपर्ट कहते हैं कि हर साल एसआईपी की रकम 5 से 10 फीसदी बढ़ाते जाएं।

गोल्ड कितना जरूरी

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

ऐसे करें निवेश की प्लानिंग

चरण 1 : वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण

1. **लक्ष्यों की पहचान:** अपने वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करें, जैसे कि रिटायरमेंट के लिए बचत, बच्चों की शिक्षा, या घर खरीदना।
2. **लक्ष्यों की प्राथमिकता:** अपने लक्ष्यों को प्राथमिकता दें और उनकी समय सीमा निर्धारित करें।

चरण 2 : जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन

1. **जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन:** अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें और यह निर्धारित करें कि आप कितना जोखिम उठाने को तैयार हैं।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 3 : निवेश विकल्पों का चयन

1. **निवेश विकल्पों की जानकारी:** विभिन्न निवेश विकल्पों की जानकारी प्राप्त करें, जैसे कि स्टॉक, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, और बॉन्ड।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** वित्तीय लक्ष्यों व जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 4 : निवेश योजना का निर्माण

1. **निवेश योजना का निर्माण:** अपने वित्तीय लक्ष्यों और निवेश विकल्पों के अनुसार योजना बनाएं।
2. **निवेश की राशि:** निवेश की राशि निर्धारित करें और नियमित निवेश करने का निर्णय लें।

चरण 5 : निवेश की निगरानी और समीक्षा

1. **निवेश की निगरानी:** अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें।
2. **निवेश की समीक्षा:** यह सुनिश्चित करें कि लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं।

अतिरिक्त सुझाव

1. **विविधीकरण :** अपने निवेश को विविध बनाएं और एक ही निवेश विकल्प में अधिक जोखिम न उठाएं।
2. **नियमित निवेश :** नियमित निवेश करने से आपके निवेश की राशि बढ़ सकती है।

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड

चढ़ते और गिरते दोनों शेयरों पर दांव लगाने का मौका

काम की बात
बिजनेस डेस्क

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) गिरते बाजार में भी पैसे कमाने का मौका देता है। लेकिन, यह फंड कमजोर दिल वाले इनवेस्टर्स के लिए नहीं है। हाल में सेबी ने एसआईएफ की नई कैटेगरी शुरू की थी। क्वांट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड (क्यूएसआईएफ) इस कैटेगरी का इंडिया का पहला फंड है। यह इनवेस्टमेंट के लिए हेज-फंड स्टाइल की स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। इसका मतलब है कि यह एक ही समय में लॉन्ग पोजीशन और शॉर्ट पोजीशन या इसके ऑपोजिट पोजीशन लेने की इजाजत देता है। यह म्यूचुअल फंड के फ्रेमवर्क के तहत आता है। इसका मतलब है कि इस पर रेगुलेटर की नजर रहती है। यह इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा का भी ध्यान रखता है। उतारचढ़ाव वाले बाजार में शॉर्टिंग से मुनाफा कमाने की गुंजाइश होती है। क्वांट म्यूचुअल फंड के फाउंडर और सीआईओ संदीप टंडन ने कहा, रअगर आपके पास स्ट्रॉन्ग रिसर्च है, अच्छा एनालिटिक्स है और सॉलिड माइक्रो व्यू है तो शॉर्टिंग से आप मार्केट में दोनों तरह की स्थितियों में पैसे कमा सकते हैं। आपको स्टॉक के चढ़ने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। गिरते स्टॉक्स से मुनाफा कमाना सेबी के फ्रेमवर्क के तहत लीगल है। यह उन इनवेस्टर्स के लिए अहम टूल है जो इसके इस्तेमाल का तरीका जानते हैं।

यह किस स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है

यह फंड लॉन्ग-शॉर्ट स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। यह ऐसे स्टॉक्स को खरीदता है, जिनकी कीमतें चढ़ने की उम्मीद होती है और साथ ही उन स्टॉक्स को शॉर्ट करता है जिनकी कीमतें गिरने के आसार होते हैं। इस स्ट्रेटेजी की वजह से मार्केट किसी भी दिशा में जाए इनवेस्टर्स को मुनाफा होता है। गिरने वाले और चढ़ने वाले शेयरों की पहचान फंड मैनेजर करता है। इसके लिए फंडामेंटल और टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल होता है।

टैक्स के कौन से नियम लागू होते हैं

टैक्स के मामले में एसआईएफ पर म्यूचुअल फंड्स के नियम लागू होते हैं। इस वजह से यह एआईएफ या पीएमएस के मुकाबले ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। सहजमनी के फाउंडर और चीफ इनवेस्टमेंट एडवाइजर अभिषेक कुमार ने कहा, क्यूएसआईएफ जैसे इक्विटी ओरिएंटेड एसआईएफ के शॉर्ट टर्म गेंस पर 20 फीसदी टैक्स लगता है, जबकि लॉन्ग टर्म गेंस पर 12.5 फीसदी टैक्स लगता है। एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपये का गेंस टैक्स-फ्री है।

न्यूनतम इनवेस्टमेंट कितना है

एसआईएफ में कम से कम 10 लाख रुपये का निवेश जरूरी है। यह पीएमएस में न्यूनतम 50 लाख रुपये और एआईएफ में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये के निवश के मुकाबले कम है। सैंक्टम वेल्थ में इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट्स के हेड अलख यादव ने कहा कि न्यूनतम निवेश कम होने से यह ज्यादा इनवेस्टर्स के दायरे में आ जाता है। इसके अलावा चूंकि यह सेबी के नियम और कानून के तहत ऑपरेट होता है, जिससे इस पर रेगुलेटर की नजर बनी रहती है। इससे इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा होती है।

क्या आपको इनवेस्ट करना चाहिए?

एसआईएफ का इस्तेमाल इनवेस्टर को अपने सैटेलाइट पोर्टफोलियो की तरह करना चाहिए न कि कोर पोर्टफोलियो के एक हिस्से के रूप में। अगर कोई स्मार्ट इवेस्टर रिस्क और रिटर्न को बैलेंस करना चाहता है तो वह कुछ पैसा एसआईएफ में लगा सकता है। अगर वह 50 रुपये म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह इसमें से 15 रुपये एसआईएफ में लगा सकता है। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड में कुल निवेश का 30 फीसदी वह एसआईएफ में इनवेस्ट कर सकता है।

क्या है एसआईएफ

स्पेशलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) एक नया निवेश विकल्प है जो म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) के बीच का ऑप्शन है। यह निवेशकों को अधिक जोखिम लेने और विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग करने की अनुमति देता है, जैसे कि लॉन्ग-शॉर्ट फंड। एसआईएफ में निवेश करने के लिए कम से कम 10 लाख की आवश्यकता होती है।

एसआईएफ की विशेषताएं

- लॉन्ग-शॉर्ट फंड : एसआईएफ में निवेशक दोनों तरह के स्टॉक खरीद और बेच सकते हैं, जिससे जोखिम कम करने और बेहतर लाभ पाने का मौका मिलता है।
- अधिक जोखिम : एसआईएफ में निवेश करने वाले निवेशकों को अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है, लेकिन इससे अधिक रिटर्न भी मिल सकता है।
- टैक्स लाभ : एसआईएफ में टैक्स की व्यवस्था म्यूचुअल फंड जैसी ही है, जो निवेशकों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

एसआईएफ में निवेश करने के लाभ

- अधिक फ्लेक्सिबिलिटी : एसआईएफ में निवेशक विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और अपने निवेश को अधिक फ्लेक्सिबल बना सकते हैं।
- अधिक रिटर्न : एसआईएफ में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है।

कौन से फंड कर रहे हैं हाउस एसआईएफ लॉन्च

- क्वांट म्यूचुअल फंड : क्वांट म्यूचुअल फंड ने भारत का पहला लॉन्ग-शॉर्ट एसआईएफ फंड लॉन्च करने की मंजूरी प्राप्त की है।
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भी अपना एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।
- एसबीआई म्यूचुअल फंड : एसबीआई म्यूचुअल फंड भी एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

- फाइनेंशियल सफलता की पहली सीढ़ी है खर्चों पर रोक लगाना और भविष्य के लिए आय का 20 फीसदी बचाना
- अपने मंथली बिलों व खर्चों को कम कर बचा सकते हैं पैसे
- अपने बचे हुए पैसे को सही जगह निवेश करें, बढ़ेगा पैसा

पैसों का करें बेहतर मैनेजमेंट, नहीं होंगे परेशान

सैलरी को 'दीमक' की तरह खा जाते हैं बिल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अक्सर लोगों को लगता है कि फाइनेंशियल रूप से मजबूत या फिर सफलता का मतलब बहुत ज्यादा पैसा कमाना है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं होता है। असल में फाइनेंशियल सफलता की पहली और सबसे अहम सीढ़ी है अपने खर्चों पर रोक लगाना। जब आप अपने मंथली बिलों और खर्चों को कम करते हैं, तो फिर आपके पास बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए अधिक पैसा बचता है। तभी आप अपने पैसे को बढ़ा पाते हैं। असल में यह कोई मुश्किल काम नहीं है, जी हां कुछ आसान और सुनियोजित कदम उठाकर आप अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं और एक मजबूत वित्तीय फ्यूचर की नींव रख सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ टिप्स जो अपको आर्थिक सफलता की ओर ले जाएंगे।

पहला कदम : अपने खर्चों को पहचानें

सबसे पहले, आपको यह जानना होगा कि आपकी मेहनत की कमाई का पैसा कहां जा रहा है। इसके लिए, आप कम से कम एक महीने तक अपने हर छोटे-बड़े खर्च का हिसाब रखें। अपने सभी खर्चों को एक कॉपी में या मोबाइल ऐप में लिखें। इसमें किराए, किराने का सामान, ईएमआई, बिजली बिल से लेकर एक कप चाय का खर्च भी शामिल करें। यह कदम आपको यह समझने में हेल्प कर सकता है कि आप कहां-कहां फिजूलखर्ची कर रहे हैं।

दूसरा कदम बजट बनाएं

एक बात साफ है कि जब आप अपने खर्चों को पहचान लेंगे, तो अगला कदम होगा एक मासिक बजट बनाना है। अपनी इनकम के हिसाब से हर चीज के लिए एक लिमिट तय करें. बजट बनाने से आपको अपने खर्चों को कंट्रोल करने में मदद मिल सकेगी। अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें।

अहम खर्चे : किराया, ईएमआई, राशन, दवाई आदि।

गैर-जरूरी खर्चे : बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग, मनोरंजन आदि।

तीसरा कदम : गैर-जरूरी खर्चों में कटौती

अधिक पैसा बचाने के लिए अपने गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। इससे आपको हर महीने पैसे बचने लगेंगे। इस पैसे को आप अच्छी जगह पर निवेश करें। धीरे धीरे इस निवेश औश्र अचत को बढ़ाते जाएंग। इससे आपके हाथों में अधिक पैसा आएगा और आपकी बचत बढ़ती जाएगी। आप इन खर्चों में कर सकते हैं कटौती।

मनोरंजन : कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के सब्सक्रिप्शन लेने के बजाय, केवल एक या दो का ही यूज करें।

खान-पान : बाहर से खाना ऑर्डर करने की जगह, घर पर खाना बनाने की आदत डालें। इससे आपके पैसे और हेल्थ दोनों बचेंगे।

शॉपिंग : अनावश्यक और आवेगपूर्ण खरीदारी से बचें। जब कोई चीज जरूरी हो तभी खरीदें।

चौथा कदम : बड़े बिलों को कम करें

आपको अपनी बचत बढ़ाने के लिए अपने सबसे बड़े मासिक बिलों को कम करने के तरीके खोजने होंगे या कमाई को बढ़ाना होगा। कोई भी पार्टटाइम काम करें। फीलॉन्सिंग भी कर सकते हैं। इससे आपको पैसे बचेंगे। बिजली का बिल ज्यादा है। गैर जरूरी उपकरणों को बंद कर दें। घर लाइट उतनी ही जलाएं, जितनी जरूरत हो। कुछ बिलों में ऐसे कर सकते हैं कटौती।

बिजली बिल : घर में एलईडी लाइट का यूज करें, पुराने और ज्यादा बिजली खाने वाले उपकरणों को बदलें और जरूरत न होने पर पंखे, एसी और लाइट बंद करें।

फोन और इंटरनेट : अपने फोन और इंटरनेट प्लान की तुलना करें। कई बार, कंपनियां बेहतर ऑफर दे रही होती हैं, जिनसे आपका बिल कम हो सकता है।

लोन की ईएमआई : अगर आपके पास पुराना लोन है, तो उसकी ब्याज दर को कम करने के लिए बैंकों से बात करें।

पांचवां कदम : बचत को प्राथमिकता दें

अपने मंथली खर्चों को कम करने के बाद, जो भी पैसा बचे उसे तुरंत बचत और इन्वेस्टमेंट में लगाएं। 'खुद को पहले भुगतान करें' के रूल को अपनाएं। इसका मतलब है कि सैलरी आने पर सबसे पहले बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए पैसा निकालें, फिर बाकी बचे पैसों से खर्च करें। इससे साफ है कि मंथली बिलों को कम करना एक आदत है, जिसे लगातार कोशिश से अपनाया जा सकता है। यह कोई बड़ा काम नहीं होता है, बल्कि छोटे-छोटे कदमों का एक बड़ा रूप होता है। इन कुछ कदमों को उठाकर आप ना केवल अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्यों को भी हासिल कर सकते हैं और एक सेफ फ्यूचर की नींव रख सकते हैं।

स्टूडेंट लाइफ में फाइनेंशियल मैनेजमेंट घटा सकता है परेशानी, बजट बनाकर फ्यूचर प्लानिंग भी छात्रों के लिए बेहतर

इन्हें अपनाने से कम पैसों में भी जी सकते हैं बॉस वाली जिंदगी

स्टूडेंट लाइफ में करें मनी मैनेजमेंट,भविष्य में धन की नहीं रहेगी कमी, अमीर बनने के लिए हर छात्र कुछ अहम टिप्स को अपनाएं

प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग्स की आदत डालना फ्यूचर के लिए सबसे मजबूत नींव हो सकती है। सेविंग्स को कमी भी जो बचेगा, वही बचाऊंगा की सोच से ना देखें, बल्कि इसे अपनी प्रायोरिटी बनाएं। छोटे-बड़े बचत लक्ष्य तय करें। जब कोई टारगेट तय होता है तो बचत करना आसान और प्रेरणादायक लगता है। हमेशा ट्राई करें कि आपकी आय का 10% या 20% हिस्सा सीधे बचत खाते में डालें।

विद्यार्थी लाइफ अक्सर उत्साह, सीखने और नए अनुभवों से भरा होती है, लेकिन इसी दौरान पैसों का मैनेजमेंट बहुत बड़ी चुनौती भी साबित हो सकता है। कॉलेज की फीस, किताबों का खर्च, हॉस्टल का किराया, खाना-पीना, और मनोरंजन के खर्चे इन सभी को मैनेज करना कभी बार मुश्किल हो जाता है, लेकिन अगर स्टूडेंट टाइम में ही बजट बनाना और पैसों का सही मैनेजमेंट सीख लिया जाए तो फ्यूचर आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि छात्रों को शुरू से ही मनी मैनेजमेंट पर ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य की दिक्कतों से दूर रहा जा सके और छात्र आसानी से धनवान बन सकें। अच्छी फाइनेंशियल आदतें न केवल आपको कर्ज के जाल में फंसने से बचाती हैं, बल्कि आपको अपने टारगेट को प्राप्त करने में भी मदद करती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको धनवान बना सकते हैं।

अपनी इनकम को ट्रैक करें

हर छात्र को अपने फाइनेंशियल लाइफ की शुरुआत सबसे पहले अपनी इनकम और खर्चों को ट्रैक करना चाहिए। चाहे पॉकेट मनी हो, स्कॉलरशिप या पार्ट-टाइम जॉब की आमदनी हो, सबका हिसाब रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप एक छोटी डायरी, कोई बजटिंग ऐप या एक्सेल शीट का सहारा ले सकते हैं। स्टूडेंट रोजमर्रा के छोटे-छोटे खर्च जैसे स्नैक्स, ऑटो किराया या ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन को भी मेंशन करें। यह आदत आपको अपनी फिजूलखर्ची समझने और उसे नियंत्रित करने में मदद करेगी, जिससे पैसों की बचत हो सकेगी।

आवश्यकताओं और इच्छाओं में अंतर समझें

अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें-स्टूडेंट लाइफ में आर्थिक समझ को समझना बेहद जरूरी है, और इसकी शुरुआत होती है 'आवश्यकताओं' और 'इच्छाओं' के फर्क को समझने से। आवश्यकताएं वो खर्चे होते हैं जो लाइफ के लिए जरूरी हैं-जैसे ट्यूशन फीस, किताबें, रूम रेंट, खाना और आना-जाना, जबकि, इच्छाएं वो चीजें हैं जो केवल सुख-सुविधा के लिए होती हैं, जैसे बाहर खाना, फिल्म देखना या नया गैजेट खरीदना, तो जब आप इन दोनों के बीच फर्क पहचान लेंगे, तो आप अपनी जरूरत पर फोकस करके जरूरी खर्चों पर लगाम लगाकर बेहतर फाइनेंशियल कंट्रोल बना सकते हैं।

50/30/20 का बजट बनाएं

अपनी इनकम और खर्चों को समझने के बाद अगला जरूरी कदम है एक सही मंथली बजट बनाया जाए। आप अपनी मासिक आय के अनुसार भोजन, कन्वेंशन, पढ़ाई की चीजें और मनोरंजन जैसी लिस्ट के लिए अलग-अलग पैसे तय करें। यह ध्यान रखें कि आपके कुल खर्च आपकी कुल आमदनी से अधिक ना हों। बजट बनाने के लिए आप 50/30/20 रूल का पालन कर सकते हैं, जैसे 50% राशि आवश्यकताओं पर, 30% इच्छाओं पर और 20% सेविंग्स या किसी भी लोन की चुकौती के लिए रखें।

स्मार्ट खरीदारी करें और रियायतों का लाभ उठाएं

पैसों की बचत के लिए रियायतों और डील्स का समझदारी से यूज करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। जहां तक हो हमेशा अपने स्टूडेंट आईडी कार्ड को साथ रखें और **wherever possible** उसे दिखाकर छूट पाने की कोशिश कर सकते हैं। आप किराने का सामान थोक में खरीदें और ऑफर्स या सेल पर नजर रखना चाहिए, इतना ही नहीं महंगे ब्रांड्स की बजाय सामान्य ब्रांड चुनना अधिक बजट-फ्रेंडली होता है।

एक्स्ट्रा इनकम के ऑप्शन खोजें

अगर आपका बजट लिमिटेड है तो खर्चों पर नियंत्रण के साथ-साथ इनकम बढ़ाने के ऑप्शन ढूंढें। आप पार्ट-टाइम जॉब जैसे ट्यूटरिंग, कैंपस असिस्टेंटशिप या फ्रीलांसिंग का ऑप्शन चुन सकते हैं। साथ ही आपकी हॉबी भी कमाई का जरिया बन सकती है—जैसे ऑनलाइन कंटेंट बनाना, हैंडमेड क्राफ्ट्स बेचना या ब्लॉगिंग करना।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अचानक आने वाले खर्चों के लिए हमेशा तैयार रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि मेडिकल इमरजेंसी, लैपटॉप खराब होना या कोई भी अचानक से कोई भी खर्चे सामने आ सकते हैं। इसके लिए आप एक अलग बचत खाता खोलकर उसमें धीरे-धीरे थोड़ी-थोड़ी राशि जमा करें। ऐसा करने से आपको महंगे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छात्र बजट बनाना, खर्चों की प्राथमिकता तय करना और हर महीने की सेविंग्स तय करना सीखकर फाइनेंशियल मैनेजमेंट की शुरुआत कर सकते हैं।

'परम सुंदरी' का गाना 'भीगी साड़ी' जारी, 29 को होगी रिलीज

मुंबई। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा पिछले काफी समय से फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनकी जोड़ी जाह्नवी कपूर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म के निर्देशन की कमान तुषार जलोटा ने संभाली है, वहीं इसका निर्माण दिनेश विजान कर रहे हैं। अब 'परम सुंदरी' का नया गाना 'भीगी साड़ी' रिलीज हो गया है, जिसे श्रेया घोषाल और अदनान सामी ने मिलकर गाया है। 'भीगी साड़ी' में सिद्धार्थ और जाह्नवी की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। दोनों जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं। दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

लाइफ Style

रुक्मिणी

'कांतारा: चैप्टर 1' की दिखी पहली झलक

'कांतारा: चैप्टर 1' को 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ऋषभ ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। ऋषभ एक बार फिर सिनेमाघरों में जोरदार दहाड़ लगाने वाले हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

मशहूर अभिनेता, फिल्म निर्माता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी पिछले काफी समय से फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म साल 2022 में आई कन्नड़ फिल्म 'कांतारा' का प्रीक्वल है, जिसका दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'कांतारा: चैप्टर 1' से रुक्मिणी वसंत की पहली झलक सामने आ गई है,जिसमें वह पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। कनकवती के रूप में रुक्मिणी खूब जंच रही हैं।

रुक्मिणी दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। वह मुख्य रूप से कन्नड़, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम करती हैं। 28 वर्षीय रुक्मिणी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2019 में आई कन्नड़ फिल्म 'बीरबल त्रयी' के जरिए की थी। उन्होंने 'भैरथी रनागल', 'बघीरा', 'बाणदरियाल्ली', 'ऐस' और 'अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। आने वाले समय में रुक्मिणी 'कांतारा: चैप्टर 1', 'मधरासी' और 'एनटीआर31' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'कांतारा: चैप्टर 1' को 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ऋषभ ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। ऋषभ एक बार फिर सिनेमाघरों में जोरदार दहाड़ लगाने वाले हैं।

हॉलीवुड मसाला

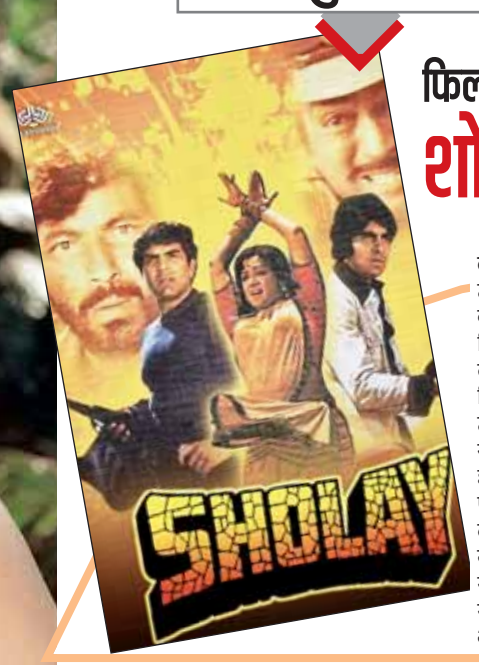

फिल्म महोत्सव में चलेगा

शोले का जादू

लॉस एंजिल्स। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनकी लोकप्रियता पीढ़ी दर पीढ़ी कायम रहती हैं। वैसी ही फिल्म है 'शोले', जो गुजरते समय के साथ हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्मों में शुमार हो गई। यह फिल्म हमेशा सिने प्रेमियों की यादों में जिंदा रहेगी। फिल्म का जिक्र इसलिए कि इसकी रिलीज के 50 साल पूरे होने पर इसकी स्क्रीनिंग प्रतिष्ठित टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में की जाएगी। यह स्पेशल स्क्रीनिंग 6 सितंबर, 2025 को 1,800 सीटों वाले रॉय थॉमसन हॉल में एक भव्य कार्यक्रम में होगी।'

एक्टर टॉम बॉलीवुड में करना चाहते हैं काम

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबलः द फाइनल रेकनिंग' भारत में रिलीज हो गई है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक इवेंट में टॉम क्रूज ने इंडियन फैंस को खास तोहफा देते हुए खुलासा किया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से गहरा लगाव है और वह एक हिंदी फिल्म में काम करना चाहते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि भारत एक अद्भुत देश है, यहां के लोग और संस्कृति शानदार हैं। मुझे भारत से बहुत प्यार है। मेरा भारत का अनुभव मेरी यादों में बस गया है। जब मैं वहां पहुंचा, ताजमहल देखने गया और मुंबई में भी समय बिताया, मुझे हर पल बहुत अच्छी तरह याद है। इंटरनेशनल क्रश ने आगे कहा, मैं भारत में जाकर वहां पर फिल्म बनाना पसंद करूंगा। मुझे बॉलीवुड फिल्में बहुत पसंद हैं।

'जटाधारा' में सामने आया रौद्र रूप...

मुंबई। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार फिल्म 'निकिता रॉय' में नजर आई थीं, जिसे समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म मुंह के बल गिरी। आने वाले समय में सोनाक्षी कई बड़ी फिल्मों में अभिनय करती दिखेंगी। इन्हीं में से एक है 'जटाधारा'। इस फिल्म के जरिए सोनाक्षी तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। अब निर्माताओं ने 'जटाधारा' का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें सोनाक्षी का रौद्र रूप दिख रहा है। सुधीर और सोनाक्षी दिखे आमने-सामने टीजर में सोनाक्षी आकर्षक और गंभीर अवतार में दिख रही हैं। गहने, गहरे काजल से सजी आंखें, लाल बिंदी और माथे पर तिलक उन्हें एक उग्र रूप दे रहा है। 'जटाधारा' में सोनाक्षी का एक अलग ही अवतार देखने को मिलेगा।

'द पैराडाइज' में दिखा धांसू अवतार...

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'द पैराडाइज' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान श्रीकांत ओडेला ने संभाली है। फिल्म 'दशहरा' के बाद यह श्रीकांत और नानी के बीच दूसरा सहयोग है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सुधाकर चेरुकुरी इस फिल्म के निर्माता हैं। अब आखिरकार 'द पैराडाइज' से नानी की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमे उनका धांसू अवतार दिख रहा है। नानी पहले पोस्टर में जदल के रूप में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। 'द पैराडाइज' एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज किया जाएगा।

टीवी मसाला

'बिग बॉस 19' में आएंगी नजर 'अनुपमा' में बनीं थीं किंजल

मुंबई। निधि शाह छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवी शो 'अनुपमा' में किंजल का किरदार निभाया था, जिससे उनकी लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ। इस वक्त वह टीवी से दूर अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं। अब खबर आ रही है कि निधि सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 19वें सीजन में नजर आ सकती हैं, जिसकी मेजबानी सलमान खान करने वाले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, निधि शो 'बिग बॉस 19' में नजर आ सकती हैं। निर्माताओं ने अभिनेत्री से संपर्क किया है। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच बातचीत चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो निधि शो में दिखेंगी। अभिनेत्री इस शो में रुचि को दिखा रहे हैं, लेकिन उन्होंने अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। शैलेश लोढ़ा, गुरुचरण सिंह, रैपर रफ्तार और जेनिफर मिस्त्री को भी शो के लिए संपर्क किया गया है। 'बिग बॉस 19' को आप 24 अगस्त से जियो हॉटस्टार और कलर्स पर देख पाएंगे। चर्चा है कि इस बार शो में यूएई की हिजाबी डॉल हबूबू की भी एंट्री होगी। प्रतियोगियों की सूची में लता सभरवाल से लेकर आशीष विद्यार्थी, गौतमी कपूर, धीरज धूपर, अलीशा पंवार, मुनमुन दत्ता, अनीता हसनंदानी, कृष्णा श्रॉफ, कनिका मान, राज कुंद्रा, डेजी शाह, अर्शिफा खान, तनुश्री दत्ता, शरद मल्होत्रा, ममता कुलकर्णी, पारस कलनावत और मिकी मेकओवर का नाम शामिल है।

'पति, पत्नी और वो 2' में आयुष्मान के साथ नजर आएंगी 3 अभिनेत्रियां

मुंबई। अभिनेता आयुष्मान खुराना पिछली बार अनन्या पांडे के साथ फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया था। आने वाले समय में आयुष्मान एक से बढ़कर एक फिल्मों में अभिनय करते नजर आएंगे। इन्हीं में से एक 'पति, पत्नी और वो 2' है, जिसके निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। अब इस फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

सामने आई ये दिलचस्प जानकारी : पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'पति, पत्नी और वो 2' में आयुष्मान के साथ एक नहीं, बल्कि 3 अभिनेत्रियां नजर आएंगी। सारा अली खान और वामिका गब्बी पहले ही इस फिल्म की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। अब 'पति, पत्नी और वो 2' में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह की एंट्री हो गई है। जहां 'पति, पत्नी और वो' में 2 अभिनेत्रियों ने मुख्य भूमिका निभाई थी, वहीं इसके सीक्वल में 3 अभिनेत्रियां दिखाई देंगी।

सितंबर में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 'पति, पत्नी और वो 2' की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू हो जाएगी, वहीं यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म की कहानी लिखकर तैयार है। यह एक बेहतरीन सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें कई कलाकार नजर आएंगे। अन्य किरदारों के लिए कास्टिंग अभी चल रही है। मुदस्सर अजीज ने फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।

सुनीता आहूजा हो गई थीं 8वीं में फेल बोलीं- गोविंदा के साथ चक्कर चल रहा था

मुंबई। गोविंदा भले ही अपनी पेशेवर या निजी जिंदगी पर कम बात करते हों, लेकिन उनकी पत्नी सुनीता आहूजा सुर्खियों में रहने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। हाल ही में उन्होंने अपने स्कूल के दिनों पर बात की। सुनीता ने बताया कि जब वह 8वीं में फेल हो गई थीं तो उनकी मां ने गर्म तवे से उनका मुंह जला दिया था, क्योंकि उन्होंने झूठ बोला था। सुनीता ने ये भी बताया कि तब वह गोविंदा के साथ रिलेशनशिप में थीं।

मां ने दी थी झूठ बोलने की ऐसी सजा : *मीडिया से हालिया बातचीत के दौरान सुनीता ने कहा, मैं आठवीं क्लास में थी और फेल हो गई थी। मैंने अपनी मां को इसके बारे में नहीं बताया था और तब तक मैं गोविंदा के साथ रिश्ते में आ चुकी थी। मैंने अपनी मां से झूठ बोला कि मैं पास हो गई हूं। बस फिर क्या, मेरी मां ने तवा गरम किया और उसे मेरे गालों पर लगा दिया। मेरी मां बड़ी सख्त थीं। उन्हें झूठ से नफरत थी।*

किताब खोलते ही सुनीता को आने लगती थी नींद

सुनीता बोलीं, मेरी मां पढ़ाई पर बड़ा जोर देती थी। वो चाहती थी कि मैं पढ़ूं और मैं थी बिल्कुल विपरीत। मेरा पढ़ाई में कतई मन नहीं लगता था या कहें मुझे पढ़ाई से बड़ी नफरत थी। किताबें खोलते ही मुझे नींद के झोंके आने लगते थे। सुनीता ने बताया, एक बार मेरी बड़ी बहन मुझे पढ़ाई के लिए मजबूर कर रही थी, उसकी जिद से मुझे गुस्सा आ गया। मैंने एक ब्लेड ली और उससे उसकी जांघ काट दी थी।

पैसों की वजह से सुनीता को पसंद थी गणित

सुनीता ने बताया कि उन्हें केवल गणित पसंद थी, क्योंकि उन्हें पैसों से प्यार था। सुनीता ने गोविंदा से साल 1987 में शादी की थी। उन्होंने 1 साल तक अपनी शादी की बात दुनिया से छिपाई। अपनी बेटी टीना के जन्म के बाद ही इसकी घोषणा की। सुनीता के पिता इस शादी के सख्त खिलाफ थे और वह अपनी बेटी के इस खास दिन में शामिल भी नहीं हुए थे। टीना के जन्म के समय सुनीत 19 साल की थीं।

सुनीता को कैसे मिले थे गोविंदा? : गोविंदा अपने मामा के साथ रहते थे और सुनीता अक्सर अपनी बहन और जीजा (जो गोविंदा के मामा थे) के घर आती-जाती थीं। तकरार से शुरू हुई कहानी धीरे-धीरे प्यार में बदली और फिर 18 की होते ही सुनीता आहूजा ने गोविंदा से शादी कर ली। गोविंदा ने उस समय अपना करियर शुरू ही किया था। उनकी लोकप्रियता को नुकसान ना पहुंचे, इसके लिए सुनीता और अपनी शादी की बात को 1 साल तक सबसे छिपाकर रखा था।

आमिर खान के साथ सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बनाएंगे लोकेश कनगराज

मुंबई। आमिर खान पिछली बार फिल्म 'सितारे जमीन पर' में दिखे थे। इस फिल्म ने न सिर्फ बढ़िया कमाई की, बल्कि आमिर ने भी अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया। अब आमिर की आने वाली फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। एक ओर लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' में आमिर का कैमियो काफी चर्चा में हैं, वहीं लोकेश ने खुद आमिर के साथ एक अलग से बड़ी फिल्म बनाने का ऐलान कर दिया है लोकेश कनगराज ने हालिया बातचीत में स्वीकार किया कि आमिर के साथ फिल्म करने का मौका उन्हें 'कुली' में काम करने के बाद मिला। वह बोले, मैं हमेशा से आमिर के काम के प्रशंसक रहा हूं और अभिनेता को भी उनके साथ काम करने में मजा आया। जैसे-जैसे हमारे बीच अच्छा तालमेल हुआ, उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या हम साथ में कोई एक्शन फिल्म कर सकते हैं? उन्होंने काफी समय से कोई एक्शन फिल्म नहीं की है। लोकेश ने कहा, आमिर को कुली के एक्शन बहुत पसंद आए। मेरा सिनेमा स्कूल अलग है और उनका अलग। हालांकि, जब हम साथ आए तो उन्हें बहुत अच्छा लगा।

कुछ हिस्सा बनने खुशी-खुशी मंजूरी दे चुके तो कुछ ने शो ठुकराने में देर नहीं लगाई

'बिग बॉस 19' ठुकरा चुके ये कलाकार, एक बोला- 20 करोड़ देंगे तो भी नहीं जाऊंगा

मुंबई। एक ओर जहां कुछ सितारे 'बिग बॉस' में जाने का सपना देखते हैं तो वहीं, कुछ ऐसे कलाकार भी हैं, जिन्हें नंबर 1 शो से कोई लेना-देना नहीं है। 'बिग बॉस 19' से अब तक कई सितारों का नाम जुड़ चुका है। कुछ इसका हिस्सा बनने के लिए खुशी-खुशी मंजूरी दे चुके तो कुछ ने करोड़ों रुपये ऑफर होने के बाद भी शो ठुकराने में देर नहीं लगाई। आइए जानें किन सितारों ने दिखाया 'बिग बॉस 19' को ठेंगा।

दिव्यांका त्रिपाठी और राम कपूर

खबरें थीं कि 'बिग बॉस' के निर्माता 'ये हैं मोहब्बतें' की इशिता भल्ला यानी लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी को शो में लाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, दिव्यांका ने कहा, फर्जी, ऐसी अफवाहें वो हर साल फैलाते हैं। उधर राम कपूर को भी शो का प्रस्ताव मिला था, जिस पर वह बोले थे, मैं कभी 'बिग बॉस' में नहीं जाऊंगा, भले ही वो मुझे 20 करोड़ रुपये दें क्योंकि इस तरह का शो मेरे लिए नहीं है।

मल्लिका शेरावत और डेजी शाह

खबरें थीं कि अभिनेत्री मल्लिका शेरावत इस साल शो का हिस्सा बनेंगी। हालांकि अभिनेत्री ने खुद इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मैं सारी अफवाहों पर विराम लगा रही हूं। मैं 'बिग बॉस' में नहीं जा रही हूं और ना कभी जाऊंगी।' दूसरी ओर अभिनेत्री डेजी शाह ने भी शो का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया था कि वह ना ये शो कर रही हैं और ना कभी करेंगी।

जन्नत जुबैर और एलनाज नोरौजी

अभिनेत्री जन्नत जुबैर 'बिग बॉस 19' को ठेंगा दिखा चुकी हैं। उन्होंने कहा था, मैं उस तरह की इंसान नहीं, जो बगैर किसी कारण शो में रहने के लिए चिल्लाऊं और झगड़ा करूं। उधर 'द ट्रेटर्स' और आगामी फिल्म 'मस्ती 4' से सुर्खियों में बनी हुई अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने प्रस्ताव इसलिए ठुकराया, क्योंकि वो सिर्फ लाइमलाइट नहीं, बल्कि लंबा और दमदार करियर बनाना चाहती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें इसके लिए 6 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया गया था।

अनीता हसनंदानी और जरीन खान

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी को भी 'बिग बॉस 19' का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसका हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया। अनीता बोलीं, ये शो मेरे जैसे व्यक्तित्व वालों के लिए नहीं बना है। मैं इसमें शामिल नहीं हो सकती। उधर जरीन खान ने ये कहकर शो ठुकरा दिया कि वह न तो 3 महीने अपने घर से दूर रह सकती हैं और ना ही दुर्व्यवहार बर्दाश्त कर सकती हैं। वो यहां गईं तो उनका हाथ उठ जाएगा।